संज्ञा (Noun), *Pronounced as Sangya*

किसी व्यक्ति पशु पक्षी वस्तु स्थान भाव या अवस्था के नाम को संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः-
व्यक्ति (Person) – राम, श्याम, मोहन आदि
पशु पक्षी (Animals) – शेर, घोड़ा, हाथी, मोर, कबूतर आदि
वस्तु (Thing) – पुस्तक, कुर्सी, घड़ी, मेज दरवाजा आदि
स्थान (Place) – दिल्ली, बम्बई, मद्रास आदि।
संज्ञा के प्रकार

akhlesh.com

व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper noun)ः किसी विशेष व्यक्ति प्राणी वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः- ताजमहल, हिमालय, भारत, गंगा, इंदिरा गांधी

जातिवाचक संज्ञा (Common noun) ः जब कोई संज्ञा शब्द एक ही प्रकार के सभी प्राणियों वस्तुओं स्थानों आदि की पूरी जाति का बोध कराता है तो ऐसे शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः- गाय, शहर, नेता, पशु, फूल, बच्चा, मकान आदि।

भाववाचक संज्ञा (Abstract noun) ः जिस संज्ञा से किसी प्राणी या वस्तु के किसी गुण भाव या दशा (अवस्था) का बोध होता है तो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः- आश्चर्य, बुढ़ापा, प्यार, हँसी, अपमान, दुख आदि।

समूहवाचक संज्ञा (Collective noun) ः जिस संज्ञा शब्द से एक ही जाति के व्यक्ति या वस्तुओं के समूह (Group) का बोध होता है तो उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः- दल, टोली, सेना, परिवार, कक्षा आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा (Material noun) ः जिस संज्ञा शब्द से किसी धातु द्रव्य या पदार्थ का बोध होता है तो उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे ः- चीनी, लोहा, ताँबा, पानी, मिट्टी, दूध, पेट्रोल आदि।

लिंग *(Gender), Pronounced as Ling*

शब्द के जिस रूप से यह पता चले कि वह पुरुष (Male) जाति का है अथवा स्त्री (Female) जाति का उसे लिंग कहते हैं।
लिंग दो प्रकार के होते हैंः
पुल्लिंग (Masculine Gender)ः लड़का, पति, राजा, बच्चा, शेर, चूहा आदि।
स्त्रीलिंग (Feminine Gender)ः लड़की, पत्नी, रानी, बच्ची, शेरनी, चुहिया आदि।

निर्जीव वस्तुओं को भी उनके आकार या गुण के अनुसार पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में बाँटा गया है। जैसे ः-

पुल्लिंग ः
अनाजों के नाम ः गेहूँ चावल आदि। पदार्थों के नाम ः लोहा सोना पानी घी तेल आदि।
दिनों के नाम ः रविवार सोमवार आदि। ग्रहों के नाम ः सूरज चाँद राहू आदि।
देशों के नाम ः भारत चीन अमेरिका जापान आदि। पर्वत और समुद्रों के नाम ः हिमालय हिन्द महासागर आदि। यात्रा के साधन ः ताँगा हवाई जहाज स्कूटर ट्रक राकेट
कुछ अन्य शब्द ः घड़ा पत्थर पहाड़ फूल बादल मकान मैदान रास्ता शहर सागर जूता पेड़ डिब्बा आदि।

स्त्रीलिंग ः
नदियों के नाम ः गँगा यमुना आदि।भाषाओं के नाम ः हिन्दी अंग्रेज़ी बंगाली आदि।
दालों के नाम ः अरहर मूंग आदि।कुछ अन्य शब्द ः आग पृथ्वी दया शक्ति जाति हवा हँसी विद्या ऋतु आदि।

कुछ पुल्लिंग - स्त्रीलिंग उदाहरण ः
लड़का - लड़की, चाचा - चाची, पुत्र - पुत्री, नाना - नानी, वकरा - बकरी, नर - नारी
कुत्ता - कुतिया, चूहा - चुहिया, वूढ़ा - वुढ़िया, गुड्डा - गुड़िया, वन्दर - बन्दरिया
धोवी - धोविन, पुजारी - पुजारिन, माली - मालिन, मालिक - मालकिन
देवर - देवरानी, नौकर - नौकरानी, सेठ - सेठानी, शेर - शेरनी, मोर - मोरनी, हाथी - हथिनी
वालक - वालिका, लेखक - लेखिका, नायक - नायिका, सेवक - सेविका, गायक - गायिका
राजा - रानी, पिता - माता, भाई - बहन, वैल - गाय, सास - ससुर

akhlesh.com

वचन *Pronounced as Vachan*

शब्द के जिस रूप से उसके एक (one) या अनेक (many) होने का ज्ञान हो उसे वचन कहते हैं।

वचन दो प्रकार के होते हैंः

एकवचन (Singular)ः लड़का, घोड़ा, पुस्तक, बच्चा, चूहा आदि।

बहुवचन (Plural)ः लड़के, घोड़े, पुस्तकें, बच्चे, चूहे आदि।

एकवचन और बहुवचन के प्रयोग के उदाहरण ः

घोड़ा दौड़ रहा है । - घोड़े दौड़ रहे हैं ।

मेरी किताब फट गयी है । मेरी किताबें फट गयी हैं ।

एकवचन से बहुवचन परिवर्तन के कुछ उदाहरण ः

लड़का - लड़के, कुत्ता - कुत्ते, चूहा - चूहे, महीना - महीने, पौधा - पौधे, कपड़ा - कपड़े

माता - माताएँ, बालिका - बालिकाएँ, कविता - कविताएँ, महिला - महिलाएँ, कक्षा - कक्षाएँ

बात - बातें, पुस्तक - पुस्तकें, बहन - बहनें, दुकान - दुकानें, आँख - आँखें, याद - यादें

नदी - नदियाँ, छुट्टी - छुट्टियाँ, झोपड़ी - झोपड़ियाँ, रोटी - रोटियाँ, दवाई - दवाइयाँ

गुड़िया - गुड़ियाँ, चिड़िया - चिड़ियाँ, चुहिया - चुहियाँ

akhlesh.com

सर्वनाम *(Pronoun), Pronounced as Sarvanaam*

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में आते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
जैसे :- मैं, हम, तुम, तू, वह, यह, आप, जो, कोई, कुछ, जैसा, वैसा, जिसकी आदि।

उदाहरण:

कुत्ता बहुत भूखा था। कुत्ता इधर उधर भटक रहा था। कुत्ते को खाने को कुछ नहीं मिला। एक आदमी को कुत्ते पर दया आई।

यहाँ 'कुत्ता' (संज्ञा) शब्द का बार बार प्रयोग ठीक नही लग रहा है। अब इन्हीं वाक्यों को सर्वनामों का प्रयोग कर के दोबारा लिखते हैं।

कुत्ता बहुत भूखा था। वह इधर उधर भटक रहा था। उसे खाने को कुछ नहीं मिला। एक आदमी को उस पर दया आई।

akhlesh.com

सर्वनाम के प्रकार

पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun): जो सर्वनाम बोलने वाले सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति, जिसके बारे में बात की जा रही है, के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
उदाहरण :- मैं, तुम, वह, हम, मेरा, हमारा, तुम्हारा, आप, उसका, उनको आदि।

निश्चयवाचक सर्वनाम (Definite Pronoun): जो सर्वनाम किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चित बोध कराते हैं उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :- यह किसकी किताब है ? वह घर मेरा है ।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun): जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध न हो उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :- दरवाज़े पर कोई है। दूध में कुछ गिर गया है ।

प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun): जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :- क्या मैं अन्दर आ जाऊँ ? दरवाज़े पर कौन है ?

संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun): जो सर्वनाम शब्द वाक्यों में आए संज्ञा या सर्वनाम का संबंध बताते हैं उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :- जैसा करोगे वैसा भरोगे। जो सच्चा मित्र है वह मदद करेगा।

निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun): जो सर्वनाम निज यानी 'स्वयं' के लिए प्रयोग किए जाते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :- मैंने यह केक खुद बनाया है। वह अपने आप यहाँ आया है।

विशेषण *(Adjective)*, *Pronounced as Vishay-shun*

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं उन्हें विशेषण कहते हैं।
जैसे ः- सुन्दर, अच्छा, लाल आदि।
जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है उसे विशेष्य कहते हैं।

उदाहरणः

सुन्दर फूल ः सुन्दर (विशेषण) फूल (विशेष्य)
अच्छा लड़का ः अच्छा (विशेषण) लड़का (विशेष्य)
लाल किताब ः लाल (विशेषण) किताब (विशेष्य)

akhlesh.com

विशेषण के प्रकार

गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality)ः जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों में गुण अथवा दोष (रंग, आकार, स्थान, समय आदि) बताएं उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण ः-

गुण ः- अच्छा, बलवान, विद्वान आदि। दोष ः- बुरा, लालची, पापी आदि।
रंग ः- काला, पीला, हरा आदि। अवस्था ः- लम्बा, पतला, अस्वस्थ आदि।
काल ः- सवेरा, शाम, रात आदि। स्वाद ः- खट्टा, मीठा, नमकीन आदि।

संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number)ः जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या संबन्धी विशेषताएं बताएं उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।
उदाहरण ः- पाँच बालक, दस आम, कुछ कपड़े, हज़ारों फूल, दूसरा बच्चा आदि ।

परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity)ः जो शब्द किसी वस्तु की नाप तौल या मात्रा का का बोध कराते हैं उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।
उदाहरण ः- पाँच लीटर दूध, दो किलो आम, कुछ आटा, थोड़ा पानी, ज़रा सा नमक आदि ।

संकेतवाचक / सार्वनामिक विशेषण (Demonstrative Adjective)ः जो सर्वनाम शब्द संकेत द्वारा किसी किसी संज्ञा की विशेषता बताएं उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं।
उदाहरण ः- ये घोड़े मेरे हैं, वह कमरा साफ है

क्रिया *(Verb) Pronounced as Kriya*

जिस शब्द या शब्द समूह से काम का करना या होना पाया जाए उसे क्रिया कहते हैं।

उदाहरणः

बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।

मेरे दोस्त ने मुझे एक उपहार दिया।

पिता जी सोफे पर बैठे हैं।

मेरी माँ ने खाना बनाया ।

akhlesh.com

क्रिया के प्रकार

सकर्मक क्रिया (Transitive Verb)ः जिन क्रिया में यह पता चलता है कि कार्य किस पर किया जा रहा है उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण ः–

बालक फल खाता है । क्या खाता है ः फल

नेहा दूध पीती है। क्या पीती है ः दूध

माँ कपड़े धोती है । क्या धोती है ः कपड़े

मेरी पुस्तक खो गई है । क्या खो गई है ः पुस्तक

यहाँ “क्या” प्रश्न का उत्तर मिल जाता है। यहाँ फल, दूध, कपड़े शब्द कर्म हैं, इनके बिना ये वाक्य अधूरे हैं। ये सब क्रियायें (खाना, पीना, धोना) सकर्मक हैं।

अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb)ः जिस क्रिया में कोई कर्म नही रहता है और क्या प्रश्न का कोई उत्तर नहीं मिलता उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण ः–

बालक हँसता है ।

नेहा सो रही है।

माँ डरती है ।

घोड़ा दौड़ता है।

यहाँ हँसना, सोना, डरना दौड़ना सब क्रिया है पर इनमें “क्या” प्रश्न का उत्तर नही मिल पाता है इसलिए ये क्रिया अकर्मक हैं।

Hindi proverbs (मुहावरे) and their English equivalents

एक पंथ दो काज	*Killing two birds with one stone*
एक हाथ से ताली नहीं बजती	*It takes two to quarrel*
जहाँ फूल वहाँ काँटा	*No rose without thorns*
जो गरजते हैं वे बरसते नहीं	*Barking dogs seldom bite*
जैसे को तैसा	*Tit for tat*
जैसी करनी वैसी भरनी	*As you sow, so shall you reap*
थोथा चना बाजे घना	*Empty vessels make a lot of noise*
पाँचों उंगलियाँ घी में	*Bread buttered on both sides*
बहती गंगा में हाथ धोना	*Making hay while the sun shines*
मित्र वही जो समय पर काम आए	*A friend in need is a friend indeed*
यथा राजा तथा प्रजा	*As King, so are his subjects*
राई का पहाड़ बनाना	*Making a mountain out of a molehill*
लोहे को लोहा काटता है	*Diamond cuts diamond*
समझदार को इशारा काफ़ी	*A word to the wise is enough*
हथेली पर सरसों नहीं जमती	*Rome was not built in one day*
जहाँ चाह वहाँ राह	*Where there is a will, there is a way*
नाच न आवे आँगन टेढ़ा	*A bad workman blames his tools*
इलाज से बचाव अच्छा	*Prevention is better than cure*
ऊँट के मुँह में जीरा	*A drop in the ocean*
अकल बड़ी या भैंस	*Knowledge is more powerful than mere strength*
अपने मुँह मियाँ मिट्ठू	*Self praise is no recommendation*
आम के आम गुठलियों के दाम	*Earth's joys and heaven's combined*
एक अनार सौ बीमार	*One post and one hundred candidates*
गरीबी में आटा गीला	*Misfortunes seldom come alone*
घर का भेदी लंका ढावे	*Traitors are worst enemies*
दूध का जला छाछ फूँक कर पीता है	*Once bitten twice shy*

HinduSatsang.org